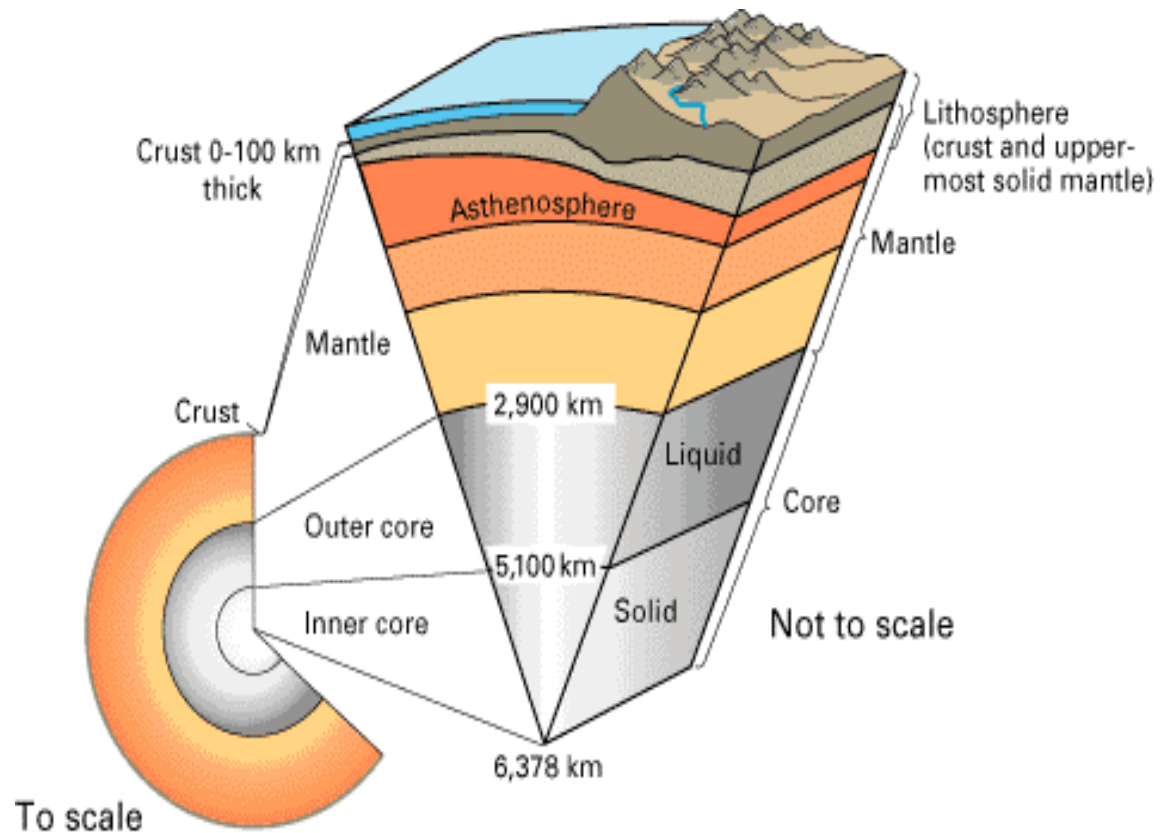


INTERNAL STRUCTURE OF EARTH AND LAYERS



THE CRUST

- The crust is the outermost solid part of the earth.
- It is fragile.
- The thickness of the crust varies under the oceanic and continental areas.
- Oceanic crust is thinner as compared to the continental crust.
- The continental crust is thicker in the areas of major mountain systems.
- The crust is made up of heavier rocks having a density of 3 g/cm^3 .
- The kind of rock seen in the oceanic crust is basalt.
- The mean density of material in the oceanic crust is 2.7 g/cm^3 .
- Silica (Si) and Aluminium (Al) are major constituent minerals. Hence it is often termed as SIAL. Also, sometimes SIAL is used to refer to the Lithosphere.

क्रस्ट

- क्रस्ट पृथ्वी का सबसे बाहरी ठोस हिस्सा है।
- यह नाजुक है।
- पपड़ी की मोटाई समुद्री और महाद्वीपीय क्षेत्रों के तहत भिन्न होती है।
- महाद्वीपीय क्रस्ट की तुलना में महासागरीय पपड़ी पतली होती है।
- महाद्वीपीय क्रस्ट प्रमुख पर्वतीय प्रणालियों के क्षेत्रों में मोटा है।
- क्रस्ट भारी चट्टानों से बना होता है जिसका घनत्व 3 g/cm^3 होता है।
- समुद्री क्रस्ट में जिस तरह की चट्टान देखी जाती है, वह बेसाल्ट है।
- समुद्री क्रस्ट में सामग्री का औसत घनत्व $2.7 \text{ ग्राम / सेमी}^3$ है।
- सिलिका (Si) और एल्युमिनियम (Al) प्रमुख घटक खनिज हैं। इसलिए इसे अक्सर सियाल कहा जाता है। इसके अलावा, कभी-कभी SIAL का उपयोग लिथोस्फीयर को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

THE MANTLE

- The portion of the interior beyond the crust is called the mantle.
- It is in a solid-state.
- It has a density higher than the crust portion.
- The thickness ranges from 10-200 km.
- The mantle extends from Moho's discontinuity to a depth of 2,900 km.
- The asthenosphere is the upper portion of Mantle.
- It is the chief source of magma that finds its way to the surface during volcanic eruptions.
- The crust and the uppermost part of the mantle are called the lithosphere.
- The major constituent elements of the mantle are Silicon and Magnesium and hence it is also termed as SIMA

मेंटल

- क्रस्ट से परे इंटीरियर के हिस्से को मेंटल कहा जाता है।
- यह एक ठोस अवस्था में है।
- इसमें क्रस्ट भाग की तुलना में घनत्व अधिक होता है।
- मोटाई 10-200 किमी तक होती है।
- यह मोहो के संपर्क से 2,900 किमी की गहराई तक फैला हुआ है।
- अस्थानोस्फीयर मेंटल का ऊपरी भाग है।
- यह मैग्मा का मुख्य स्रोत है जो ज्वालामुखी विस्फोट के दौरान सतह पर अपना रास्ता खोजता है।
- क्रस्ट और मेंटल के ऊपर वाले भाग को लिथोस्फीयर कहा जाता है।
- मेंटल के प्रमुख घटक तत्व सिलिकॉन और मैग्नीशियम हैं और इसलिए इसे सिमा भी कहा जाता है।

THE CORE

- The core-mantle boundary is positioned at the depth of 2,900 km.
- The inner core is in the solid-state whereas the outer core is in the liquid state.
- The core is made up of very heavy material mostly constituted by nickel and iron. Hence it is also called the "nife" layer.

कोर

- कोर-मेंटल सीमा 2,900 किमी की गहराई पर स्थित है।
- भीतरी कोर ठोस अवस्था में है जबकि बाहरी कोर तरल अवस्था में है।
- कोर बहुत भारी सामग्री से बना है जो ज्यादातर निकल और लोहे द्वारा गठित है। इसलिए इसे "nife" परत भी कहा जाता है।

